शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय, इन्दौर

ए.बी.रोड, भंवरकुआ चौराहा, इन्दौर (म.प्र.) – 452017 Ph. 0731–2464074

E-mail : principalhsc@rediffmail.com

जुलाई 2013

ई–न्यूज लेटर

सुविचार –लगातार पवित्र विचार करते रहो,

बुरे संस्कारों को दबाने के लिये एकमात्र समाधान यही है।

शैक्षणिक आयाम

गणित विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. विवेक रैच द्वारा दिनांक 7.05.13 को विज्ञान परिषद ऑफ इडिया द्वारा आयोजित शोध संगोष्ठी में आमंत्रित व्याख्यान अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा में दिया गया।

डॉ. मनोज मिश्रा दिनांक 10.06.2013 से 20.06.2013 तक NMEICT द्वारा संचालित "Teachers Empowernment Program" SCSIT DAVV, Indore में सम्मिलित हुए। यह कार्यक्रम "Microsoft" द्वारा आयोजित किया गया था।

डॉ. चितरंजन शर्मा द्वारा दिनांक 17 जून एवं 18 जून 2013 को विश्वविद्यालय के ASC विभाग में "How to write a Reasearch Paper" पर व्याख्यान दिये।

फार्मारसायन के विभागाध्यक्ष डॉ. एम.के.द्विवेदी एवं भू–गर्भ विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. पूनम भटनागर अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने हेतु यूरोप गये।

दिनांक 2 एवं 3 जून को होशंगाबाद में जीवविज्ञान पर एक कार्यशाला अयोजित की गई । जिसमें बीज तकनीकी विभागाध्यक्ष–डॉ किशोर पंवार के निर्देशन में पौधों की वृद्धि एवं विकास पर प्रायोगिक कार्य करवाये गये।

'' सच्ची मित्रता उत्तम स्वास्थ्य के समान है।
उसका महत्व तभी जान पाते हैं।
जब हम उसे खो बैठते हैं।

"Take risks in your life
If you win, you can lead,
If you loose you can guide."

प्रेरणास्पद स्तंभ

दिनांक 26.05.2013 को महाविद्यालय में विज्ञान मंथन 2013 के अंतर्गत देश के विभिन्न राज्यों के लगभग 106 विद्यार्थियों (कक्षा 4 से 9 तक) ने महाविद्यालय की विभिन्न प्रयोगशालाओं में प्रायोगिक कार्य का प्रदर्शन देखा तथा स्वयं भी किया।

दिनांक 7 जून 2013 को वनस्पतिशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक श्रीमती साधना विवरेकर का पी.एचडी. वायवा सम्पन्न हुआ।

दिनांक 2 एवं 3 जून 2013 को होशंगाबाद में ''एकलव्य'' द्वारा जीव विज्ञान पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न प्रांतों के करीब 40 प्रतिभागी (विद्यार्थी एवं प्राध्यापक) शामिल हुए। बीज तकनीकी विभागाध्यक्ष–डॉ. किशोर पंवार के निर्देशन में पौधों की वृद्धि एवं विकास पर प्रायोगिक कार्य करवाएँ गए।

"Simple logic to lead a happy life,
Don't cry for what happened yesterday,
Don't fear what happens today,
Don't accept anything form tomorrow."

नवीन आयाम

महाविद्यालय के बी.एससी. एवं एम.एससी. के विभिन्न सेमेस्टर के सभी परिणाम आ चुके है। बी.एससी.प्रथम वर्ष एवं एम.एससी. प्रथम वर्ष के प्रवेश दिनांक 27.06.2013 से आरंभ हो चुके हैं।

महाविद्यालय सत्र 2013–14 से दो नये विषय फारेंसिक एवं हार्टिकल्चर प्रारंभ किये गये।

मत्सय विभाग में स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध की कक्षाओं का सम्बद्धता हेतु विश्वविद्यालय से निरीक्षण समिति ने आकर दिनांक 8 जून 2013 को निरीक्षण किया।

''आप जैसे विचार करेंगे वैसे हो जायेगे,
निर्बल और सबल आप खुद अपने द्वारा बनते हैं''

महाविद्यालयीन गतिविधियाँ

डॉ. चितरंजन शर्मा द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत दिनांक 5.06.2013 को 500 वृक्ष महाविद्यालय परिसर में लगाए गए।

28 जून 2013 को एनएसएस के छात्र–छात्राओं ने प्राचार्य–डॉ. आर.के. तुगनावत एवं प्रो. लक्ष्मी तंतुवाय के साथ वृक्षरोपण कार्यक्रम संपन्न किया।

मालवंकर नेशनल शूटिंग प्रतियोगिता में एन.सी.सी. की कैडेट छात्रा कु. दिव्या मंडल का चयन हुआ है। यह प्रतियोगिता पूना में आयोजित की जा रही है।

महाविद्यालय की एन.सी.सी. कैडेट छात्रा कु. रश्मि यादव का चयन एनआईसी लेह के लिए हुआ है।

सांख्यिकी विभाग की एम.एससी. की छात्रा कु. रसिका गीड़ ने खो–खो प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इन्होंने भूटान में आयोजित खो–खो प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया तथा प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता।

कु. रसिका गीड़– एम.एससी. सांख्यिकी

महाविद्यालय के भौतिक विभाग–एम.एससी. की छात्रा कु. प्रेरणा दुबे ने एन. एस.एस. के अंतर्गत चीन में होने वाले सम्मेलन में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया।

" प्यारी/लाडली बेटियाँ/ईश्वर का वरदान "

स्नेह करूणा व वात्सल्य से परिपूर्ण
ईश्वर का वरदान सी मिलती है बेटियाँ।
फूलों की कोमलता, मक्खन सी स्निग्धता लिए जन्मती हैं बेटियाँ।
चिड़िया सी आंगन में फुदकती चहकती,
घर में खुशियों के रंग बिखेरती हैं बेटियाँ।
सौहार्द, स्नेह सौज्यन्य की प्रतिमूर्ती बन
घर के आंगन को, तुलसी सा पवित्र बनाती हैं, बेटियाँ
प्रेम , ममता व अपनत्व का पर्याय बन वसंत के आगमन का एहसास कराती हैं बेटियाँ।
जिंदगी के तपते रेगिस्तान में
ठंडे जल की फुहारों का सुकून दिलाती हैं बेटियाँ ।
कभी रूठी तो कभी रूठों को मनाकर रिश्तों में शहद सी मिठास घोलती हैं बेटियाँ।
माँ के संस्कार पिता की शिक्षा ले,
मायके , ससुराल में सामंज्यस बिठाती हैं बेटियाँ।
पति और परिवार के लिए हो समर्पित,
अपनी पहचान खोकर भी खुश रहती हैं बेटियाँ
जीवन की प्यारी अनमोल धरोहर
परायी होकर भी अपनी ही रहती हैं बेटियाँ।
पूण्य करो, तप करो, मन्नते माँगों
तब कही जाकर जनमति हैं बेटियाँ।
वहीं परिवार हैं धन्य व संपूर्ण
जहाँ सदा खुशहाल रहती हैं बेटियाँ।
मत मारो कोख में हमें, संसार चलाती हैं हम,
चुपचाप ससकती, गुहार लगाती हैं बेटियाँ।
मूर्खता, पाप व अन्याय पर भारी पड़
दुर्गा ,लक्ष्मी, सरस्वती बन जनमती हैं बेटियाँ।

प्रो. साधना सुनील विवरेकर
प्राध्यापक– वनस्पतिशास्त्र विभाग